

# रोज रोज करता है मन तू बहाने भजन लिरिक्स



रोज रोज करता है,  
मन तू बहाने,  
काहे न माने तू काहे न माने।bd।

तर्ज - हमतो तेरे आशिक है।

---

कैसा प्यारा ये जन्म तूने,  
गुरु से पाया है,  
पर गँवाया है,  
तूने हीरे को,  
जैसे जरूरी है तुझे भोजन,  
ऐसे ही बन्दे,  
है जरूरी भजन जीने को,  
बात सच्ची है ये,  
नहीं है तराने,  
काहे न माने तू काहे न माने।bd।

---

करले भजन प्राणी तर जाएगा,  
यही सँग जाएगा,  
तेरे काम आएगा,  
कई जन्मो तक,  
कोई नहीं साथ तेरे जाएगा,  
न कोई रोएगा,  
न पूछेगा तेरी सदियो तक,  
कोई नहीं आएगा,  
यम से बचाने,  
काहे न माने तू काहे न माने।bd।

---

गुरु चरणो का ध्यान करले,  
अभी भजले तू,  
नाम जपले श्री सतगुरु का,  
आवागमन तेरा कट जाएगा,  
भव तर जाएगा,  
कर भरोसा तू अपने प्रभू का,  
जिसने जपा है नाम,  
वो ही ये माने,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>

काहे न माने तू काहे न माने Ibd।



रोज रोज करता है,  
मन तू बहाने,  
काहे न माने तू काहे न माने Ibd।

– भजन लेखक एवं प्रेषक –  
शिवनारायण वर्मा,  
मोबा.न.8818932923

वीडियो अभी उपलब्ध नहीं।